(b) Planning Commission have recommended total coal production of 308 m.t. by terminal year of 8th Five Year Plan. All India coal production target for first 3 years of 8th Five Year Plan is given below :

(in million tonnes)
(in million tonnes)

Year	Production target
1992-93 .	238.20
1993-94 .	249.00
1994-95	253.60

Target for year 1995-96, 1996-97 will be fixed in consultation with Planning Commission based on assessed demand and resource availability.

(c) Measure beisg taken to achieve these targets inter-alia include opening of new mines; modernisation of existing mines, application of new technology, en suring timely availability of inputs and infrastructural facilities better capacity utilisation and maintaining good industrial relations.

(d) and (e) Due to steps taken by coal companies! since nationalisation, coal transportation and delivery system have improved and grown commensurate with growth in production and despatch of coal. For improvement in transport and delivery system policy and procedure are continu ously reviewed in consultation with Rail ways whicn is aimed at optimising com mercial objective and consumer satisfac tion in a continuously changing market scenario. Accordingly different schemes have also been introduced from time to time like liberalised sale scheme, whole sale traders scheme and mini traders scheme.

कोयला क्षेत्र में कार्य प्रणाली में सुधार

श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

श्री राम गोपाल यादव :

क्या कोयला मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक ने आगाह किया है कि अगर कार्य प्रणाली और देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो सरकारी क्षेत्र के इस उपक्रम को बचाना मुश्किल हो जाएगा तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में हमारे स्वदेशी कोयले की साख समाप्त हो जाएगी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि तमाम प्रयासों के बावजूद भूमिगत खानों से कोयले के उत्पादन में काफी गिरावट आयी है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने कोयला क्षेत्र में कार्य-प्रणाली में सुधार लाने के लिए देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता में सुधार करने और खानों से कोयले का उत्पादन बढ़ाने के लिये कोई कदम उठाये हैं, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) और (घ) भूमिगत कोयला उत्पादन में स्थिरीकरण के कारण निम्नलिखित हैं :—

(i) देश में अधिकांश भूमिगत खानें अत्यधिक पुरानी तथा विस्तृत हैं तथा समाप्त हुए भंडारों के परिणामस्वरूप उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है ।

(ii) हमारे देश में भूमिगत खानें परम्परागत रूप से श्रम बाहुल्य हैं । अधिकांश खानों को उनके तत्कालीन स्वामियों द्वारा बिना आयोजन के बड़े पैमाने पर यंत्रिकरण के लिये खानों को विकसित किया गया था । इस स्तर पर पुनर्गठन किए जाने के लिये गहन पूंजी अपेक्षित होती है ।

(iii) विकास कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात् पिल्लर पर पड़े शेष कोयले का

खनन निम्न कारणों से सम्भव नहीं हुआ है— रेत भराई सामग्री का अपर्याप्तता उत्खनन कार्यों में जलमग्नता की स्थिति तथा विकास कार्यों के आस पास के ऊपर/अन्तर्गत अग्नि क्षेत्र का अधिकांश खानों में होना। इसलिए ऐसी खानों से कोयला खनन को उच्च उत्पादकता सम्भव नहीं हो सकी है।

(iv) बहुत सी खानों में भू-तल अधिकार की अनुपलब्धता के कारण पिल्लर हटाने के कार्यक्रम में कठिनाई आई है।

भूमिगत खानों के उत्पादन में सुधार के लिए उठाये गये कदम निम्नलिखित हैं :—

1. बहुत सी छोटी खानों मे उत्पादन की उच्च दर प्राप्त करने के लिए उन्हें पुर्नगठित किया गया है/जा रहा है।

2. भूमिगत खानों में यंत्रीकरण को माध्यमिक प्रौद्योगिकी के रूप में भूमिगत खानों में एस डी एल/एल एच डी का अधिक संख्या में नियोजन कार्य निरन्तर रूप से किया जा रहा है जहां कहीं भी भू-खनन परिस्थितियां ऐसा प्रौद्योगिकी अपेक्षित होती हैं।

3. कुछ कोलियरियों में जहां भूखनन स्थितियां अनुकूल हैं, वहां पावर स्पोर्ट लांगवाल खनन आरम्भ किया गया है।

कोयले का उत्पादन

श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के दौरान देश में कोयले के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि होती रही है ;

(ख) यदि हां, तो 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के वर्षों के दौरान कोयले की कितनी मात्रा का उत्पादन हुआ था ;

(ग) क्या यह सच है कि देश में इस्पात और विद्युत उत्पादन के लिए कोकिंग कोल की जरूरत पड़ती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के दौरान देश में इस प्रकार के कोयले के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि नहीं हो रही है ;

(ङ) यदि नहीं, तो 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के दौरान इस कोयले का कितना उत्पादन हुआ था और क्या यह भी सच है कि देश की जरूरत को पूरा करने के लिये इस कोयले का आयात किया जा रहा है ; और

(च) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान ऐसे कोयले की कितनी मात्रा का आयात किया गया था और उस पर कितनी राशि व्यय की गयी थी ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां।

(ख) वर्ष 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के दौरान देश में हुए कोयले के उत्पादन की नीचे दर्शाया गया है :—

(मिलियन टन में)

वर्ष	कोयला उत्पादन
1985-86	154.24
1989-90	200.89
1992-93	238.26

(ग) कोक के उत्पादन के लिये कोककार कोयले के गुणों की आवश्यकता होती है जो कि